अनुक्रमांक ...

नाम ..

901

801(BE)

2025

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

निर्देश :

i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

ii) यह प्रश्नपत्र **दो** खण्डों, **खण्ड – अ** तथा **खण्ड – ब** में विभक्त है ।

iii) **खण्ड – अ** में **1** अंक के **20** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके सही उत्तर **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक पर **नीले** अथवा **काले बाल प्वाइंट कलम** से सही विकल्प वाले गोले को पूर्ण रूप से काला कर चिह्नित करें ।

iv) **खण्ड – अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त **ओ० एम० आर०** उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें । **ओ० एम०आर०** उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें ।

v) प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं ।

vi) **खण्ड – ब** में **50** अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं ।

vii) **खण्ड – ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें ।

viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए । जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए ।

खण्ड – 'अ'
बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ) प्रश्न

1. 'सरस्वती' पत्रिका के सम्पादक हैं
   (A) प्रेमचन्द (B) हजारी प्रसाद द्विवेदी
   (C) जयशंकर प्रसाद (D) महावीरप्रसाद द्विवेदी 1

2. 'निर्मला' किस विधा की रचना है ?
   (A) निबन्ध (B) उपन्यास (C) जीवनी (D) आत्मकथा 1

3. 'पंचपात्र' के लेखक हैं
   (A) जयशंकर प्रसाद (B) रामचन्द्र शुक्ल
   (C) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी (D) जयप्रकाश भारती 1

4. 'हिमालय की पुकार' के लेखक हैं
   (A) जयशंकर प्रसाद (B) भगवतशरण उपाध्याय
   (C) रामधारी सिंह 'दिनकर' (D) जयप्रकाश भारती 1

5. 'सेवासदन' के लेखक हैं
   (A) रामकुमार वर्मा (B) जगदीशचंद्र माथुर
   (C) मुंशी प्रेमचंद (D) आचार्य रामचंद्र शुक्ल 1

6. 'रीतिकाल' के कवि हैं
   (A) नागार्जुन (B) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (C) महावीरप्रसाद द्विवेदी (D) मतिराम 1

7. 'दूसरा सप्तक' प्रकाशित हुआ
   (A) सन् 1943 ई० में (B) सन् 1951 ई० में (C) सन् 1959 ई० में (D) सन् 1979 ई० में 1

8. 'नीहार' के रचनाकार हैं
   (A) महादेवी वर्मा (B) धर्मवीर भारती (C) रामनरेश त्रिपाठी (D) श्यामनारायण पाण्डेय 1

9. 'पुष्प की अभिलाषा' शीर्षक कविता किस काव्य-संग्रह से ली गई है ?
   (A) यामा (B) युगचरण (C) साकेत (D) रश्मिरथी 1

10. 'छायावाद युग' की मुख्य विशेषता है
   (A) युद्धों का सजीव वर्णन (B) भक्ति की प्रधानता
   (C) यथार्थ चित्रण (D) प्रकृति का मानवीकरण 1

11. 'करुण' रस का स्थायी भाव है
   (A) रति (B) हास (C) शोक (D) निर्वेद 1

12. जहाँ उपमेय को उपमान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है तो वहाँ कौन-सा अलंकार होगा ?
   (A) उपमा अलंकार (B) रूपक अलंकार (C) उत्प्रेक्षा अलंकार (D) अनुप्रास अलंकार 1

13. 'सोरठा' किस प्रकार का छन्द है ?

(A) अर्द्ध-सम मात्रिक छंद (B) सममात्रिक छंद (C) विषममात्रिक छंद (D) इनमें से कोई नहीं 1

14. 'निर्गुण' शब्द में प्रयुक्त उपसर्ग है

(A) नि (B) गुण (C) नीर (D) निर् 1

15. 'नीलकमल' में कौन-सा समास है ?

(A) द्विगु समास (B) कर्मधारय समास (C) तत्पुरुष समास (D) बहुव्रीहि समास 1

16. 'देवनदी' का पर्यायवाची शब्द है

(A) यमुना (B) सरयू (C) गंगा (D) सरस्वती 1

17. 'युष्माभिः' शब्द में विभक्ति एवं वचन है

(A) तृतीया विभक्ति, बहुवचन (B) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

(C) चतुर्थी विभक्ति, बहुवचन (D) षष्ठी विभक्ति, एकवचन 1

18. विकारी पद कितने प्रकार के होते हैं ?

(A) दो (B) तीन (C) आठ (D) चार 1

19. अर्थ के आधार पर वाक्य के कितने भेद होते हैं ?

(A) दो (B) आठ (C) चार (D) पाँच 1

20. 'आदर्श से गाया नहीं जाता ।' इसमें कौन-सा वाच्य होगा ?

(A) कर्तृवाच्य (B) कर्मवाच्य (C) भाववाच्य (D) इनमें से कोई नहीं 1

खण्ड – 'ब'

वर्णनात्मक प्रश्न

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 2 = 6$

हमलोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं, जिसे जो जिस रूप का चाहे, उस रूप का करे-चाहे राक्षस बनावे, चाहे देवता । ऐसे लोगों का साथ करना हमारे लिए बुरा है, जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प के हैं, क्योंकि हमें उनकी हर एक बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है । पर ऐसे लोगों का साथ करना और बुरा है, जो हमारी ही बात को ऊपर रखते हैं; क्योंकि ऐसी दशा में न तो हमारे ऊपर कोई दबाव रहता है और न हमारे लिए कोई सहारा रहता है । दोनों अवस्थाओं में जिस बात का भय रहता है, उसका पता युवा पुरुषों को प्रायः बहुत कम रहता है ।

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) किन लोगों का संगत करना हमारे लिए बुरा है ?

अथवा

अभी चंद्रमा के लिए अनेक उड़ानें होंगी । दूसरे ग्रहों के लिए मानवरहित यान छोड़े जा रहे हैं । अंतरिक्ष में परिक्रमा करनेवाला स्टेशन स्थापित करने की दिशा में तेजी से प्रयत्न किये जा रहे हैं । ऐसा स्टेशन बन जाने पर ब्रह्माण्ड के रहस्यों की पर्तें खोलने में काफी सहायता मिलेगी । यह पृथ्वी मानव के लिए पालने के समान है । वह हमेशा-हमेशा के लिए इसकी परिधि में बँधा हुआ नहीं रह सकता । अज्ञात की खोज में वह कहाँ तक पहुँचेगा, कौन कह सकता है ?

(i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) अंतरिक्ष में स्टेशन बन जाने से किसमें सहायता मिलेगी ?

2. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $3 \times 2 = 6$

काम कुसुम धनु सायक लीन्हे ।
सकल भुवन अपने बस कीन्हे ।।
देबि तजिअ संसउ अस जानी ।
भंजब धनुषु राम सुनु रानी ।।
सखी बचन सुनि भै परतीती ।
मिटा बिषादु बढ़ी अति प्रीती ।।
तब रामहि बिलोकि बैदेही ।
सभय हृदयँ बिनवति जेहि तेही ।।
मनहीं मन मनाव अकुलानी ।
होहु प्रसन्न महेस भवानी ।।
करहु सफल आपनि सेवकाई ।
करि हितु हरहु चाप गरुआई ।।
गननायक बरदायक देवा ।
आज लगे कीन्हिउँ तुअ सेवा ।।
बार-बार बिनती सुनि मोरी ।
करहु चाप गुरुता अति थोरी ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) पद्यांश में सीताजी का सशंकित मन श्रीराम से विवाह के लिए देवताओं से किस प्रकार विनती कर रहा है ?

अथवा

इससे भी सुंदर समाधियाँ,

हम जग में हैं पाते ।

उनकी गाथा पर निशीथ में,

क्षुद्र जंतु ही गाते ।।

पर कवियों की अमर गिरा में,

इसकी अमिट कहानी ।

स्नेह और श्रद्धा से गाती

है, वीरों की बानी ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) 'निशीथ' एवं 'गिरा' शब्द के अर्थ लिखिए ।

3. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी **एक** का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 3 = 5

अस्माकं संस्कृतिः सदा गतिशीला वर्तते । मानवजीवनं संस्कर्तुम् एषा यथासमयं नवां नवां विचारधारां स्वीकरोति, नवां शक्तिं च प्राप्नोति । अत्र दुराग्रहः नास्ति, यत् युक्तियुक्तं कल्याणकारि च तदत्र सहर्षं गृहीतं भवति । एतस्याः गतिशीलतायाः रहस्यं मानव-जीवनस्य शाश्वतमूल्येषु निहितम्, तद् यथा सत्यस्य प्रतिष्ठा, सर्वभूतेषु समभावः विचारेषु औदार्यम्, आचारे दृढ़ता चेति ।

अथवा

(स्थानम्-अलक्षेन्द्रस्य सैन्य शिविरम् । अलक्षेन्द्रः आम्भीकः च आसीनौ वर्तेते ।

वन्दिनं पुरुराजम् अग्रे कृत्वा एकतः प्रविशति यवन-सेनापतिः ।)

सेनापतिः - विजयतां सम्राट् ।

पुरुराजः - एष भारतवीरोऽपि यवनराजम् अभिवादयते ।

अलक्षेन्द्रः - (साक्षेपम्) अहो ! बन्धनगतः अपि आत्मानं वीर इति मन्यसे पुरुराज ?

पुरुराजः - यवनराज ! सिंहस्तु सिंह एव, वने वा भवतु पञ्जरे वा ।

अलक्षेन्द्रः - किन्तु पञ्जरस्थः सिंहः न किमपि पराक्रमते ।

पुरुराजः - पराक्रमते, यदि अवसरं लभते । अपि च यवनराज !

4. निम्नलिखित संस्कृत श्लोकों में से किसी **एक** का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2 + 3 = 5

अपदो दूरगामी च साक्षरो न च पण्डितः ।

अमुखः स्फुटवक्ता च यो जानाति स पण्डितः ।।

अथवा

यथा सौम्यैकेन लोहमणिना सर्वं

लोहमयं विज्ञातं स्याद्वाचारम्भणं

विकारो नामधेयं लोहमित्येव सत्यम् ।

5. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर दिए गए प्रश्नों में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर दीजिए : 1 × 3 = 3

(क) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर 'गाँधी जी' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के पंचम सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ख) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर उसके प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

(ग) (i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर 'भामाशाह' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए ।

(घ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर राजसूय-यज्ञ का संक्षेप में वर्णन कीजिए ।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर 'श्रीकृष्ण' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ङ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(च) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के मुख्य पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

(छ) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

(ज) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के 'आदर्श वरण' सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्रांकन कीजिए ।

(झ) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

6. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : $3 + 2 = 5$

(i) रामधारी सिंह 'दिनकर'

(ii) डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

(iii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी ।

A364698

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय देते हुए उनकी एक प्रमुख रचना का उल्लेख कीजिए : $3 + 2 = 5$

(i) सूरदास

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) मैथिलीशरण गुप्त ।

A

7. अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ कोई एक श्लोक लिखिए, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो । 2

8. वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर अपने चचेरे भाई को बधाई देते हुए पत्र लिखिए । 4

अथवा

आपके विद्यालय के पुस्तकालय में हिन्दी की पत्र-पत्रिकाएँ नहीं मँगाई जातीं । इसकी शिकायत करते हुए प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : $1 + 1 = 2$

(i) वाराणसी केषां संगमस्थली अस्ति ?

(ii) अस्माकं मुख्यं कर्त्तव्यं किम् ?

(iii) अलक्षेन्द्रः सेनापतिं किम् आदिशत् ?

(iv) भूमेः गुरुतरं किम् अस्ति ?

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : $1 \times 7 = 7$

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) प्रदूषण की समस्या और समाधान

(iii) कोरोना : एक वैश्विक महामारी

(iv) सड़क-सुरक्षा : जीवन-रक्षा

(v) मोबाइल : वरदान या अभिशाप ।